उपर्युक्त कठिनाई को दूर करने के उद्देश्य से एकक का विचार दिल्ली थर्मल पावर स्टेशन से प्राप्त फलाई ऐश अथवा जली हुई चाइना क्ले प्रयोग में लाने का है । इस समय यह एकक साधारण कोटि का (ऑर्डिनरी) पोर्टलैण्ड सीमेंट बना रहा है ।

सीमेंट की फैक्ट्रियों में क्लिंकर का स्टाक

2225. **श्री प्यारेलाल खंडेलवाल :** क्या उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अकलतारा, मांढर और नया गांव में कार्य कर रही भारतीय सीमेंट निगम की सीमेंट फैक्टरियों ने चालू वर्ष के दौरान अपने-अपने स्टाक रजिस्टरों में क्लिंकरों का कितना-कितना स्टाक दर्शाया है ; और

(ख) क्या उपरोक्त फैक्टरियों में से किसी फैक्टरी का स्टाक रजिस्टर में क्लिंकर का स्टाक उनमें दर्शाये गये स्टाक से कम पाया गया है, यदि हां, तो उस फैक्ट्री का नाम क्या है तथा गलत स्टाक पोजीशन दर्शाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ?

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आरिफ मोहम्मद खान) : (क) स्टाक रजिस्टरों के अनुसार 30 जून, 1985 को क्लिंकर की मात्रा निम्न प्रकार थी :—

1. मांढर 931.00 मी० टन
2. अकलतारा 54,648.164 मी० टन
3. नयागांव 28,356.27 मी० टन

(ख) निगम की अकलतारा सीमेंट फैक्टरी में वही के आंकड़ों की तुलना में क्लिंकर की मात्रा में कुछ कमी होने की जानकारी मिली थी । सीमेंट कारपोरेशन आफ इंडिया द्वारा जुलाई, 1985 में गठित एक बहु उपयोगी तकनीकी लेखा परीक्षा दल से इस मामले की जांच करने को कहा गया है । इस स्थिति में फैक्टरी के किसी भी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करने का प्रश्न ही नहीं उठता ।

Newsprint production

2226. SHRI SANTOSH KUMAR SAHU: Will the Minister of INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) what was the total requirement of Newsprint during the last three years and the quantum of indigenous production;

(b) whether Government propose to increase the production of newsprint in the country to meet the shortage, if any;

(c) if so, what are the details in this regard; and

(d) whether the country is likely to become self-reliant in the matter of newsprint production?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS (SHRI ARIF MOHD. KHAN): (a) The requirement of Newsprint in the last three years; and the indigenous production is as follows:

(in tonnes)

Years	Requirement	Indigenous Production
1982-83	3,60,000	1,18,910
1983-84	3,50,000	1,76,398
1984-85	3,85,000	2,00,547

(b) to (d) The production of Newsprint in the country during 1985-86 is expected to reach a level of 2.50 lakhs tonnes. Besides the present installed capacity of 2.80 lakh tonnes, an additional capacity of 7.50 lakh tonnes has been approved by way of Industrial Licences/Letters of Intent and these are under various stages of implementation.